

प्रेषक,

हरबंस सिंह चुघ,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त एवं सचिव,
राजस्व परिषद,
उत्तराखण्ड देहरादून।

राजस्व अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 26 मार्च, 2017

विषय:- सदस्य न्यायिक, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून न्यायिक कार्यों के सम्पादन हेतु नवीन वाहन हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-4113/रा0प0/वाहन/2016, दिनांक-02 नवम्बर, 2016 एवं पत्र संख्या-5999/रा0प0/2015-2016, दिनांक-01 मार्च, 2017 एवं शासनादेश संख्या-169/IX-1/125/2011/2016, दिनांक-10 मार्च, 2016 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में सदस्य न्यायिक, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून को न्यायिक कार्यों के निष्पादन हेतु सर्किट कोर्ट पौड़ी व नैनीताल जाना पड़ता है। इस प्रकार न्यायिक कार्यों के निष्पादन हेतु प्रोफार्मा इन्वाइस के अनुसार Maruti Dzire Vxi (Euro-IV Compliant) के क्रय हेतु ₹(5,44,301.49) OR SAY ₹5,44,300.00(₹पांच लाख चौब्यालीस हजार तीन सौ मात्र) की धनराशि आपके निर्वहन पर रखते हुए निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन नियमानुसार आहरण/व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. जब तक अन्यथा उपबन्धित न किया जाय एक ही अधिकारी को एक ही स्रोत से वाहन अनुमन्य होगा, भले ही अधिकारी के पास एक से अधिक विभाग/पद का प्रभार हो।
2. प्रश्नगत वाहनों का क्रय/व्यवस्था शासन द्वारा डी0जी0एस0एन0डी0 दरों के माध्यम से की जायेगी।
3. उपरोक्त के अतिरिक्त ऐसे अधिकारी जिनके लिए शासन व विभाग द्वारा समय-समय पर अधिसूचना के माध्यम से वाहन क्रय किया जाना अनुमन्य किया जाय। वाहनों की व्यवस्था शासन द्वारा डी0जी0एस0एन0डी0 दरों पर क्रय के माध्यम से की जायेगी।
4. यह कि किसी अधिकारी के पास यदि एक से अधिक विभाग हो (यथा-जनपद स्तर) का दायित्व हो और उसमें से किसी भी एक विभाग के वाहन एवं चालक उपलब्ध हो, तो सम्बन्धित अधिकारी को अन्य माध्यम (आउटसोर्सिंग अथवा रिइम्बर्समेंट) की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी।
5. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल/वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा Uttarakhand Procurement Rules, 2008 एवं स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अन्य सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, प्राप्त कर ली जाय।
6. व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृति की जा रही है।

7. व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों एवं तद्विषयक आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
 8. वाहन का कय डी0जी0एस0 एण्ड डी0 की लागत पर ही व्यापार कर की अनुमन्य छूट के उपयोग हेतु फार्म-डी निष्पादित करके किया जायेगा।
 9. प्रश्नगत धनराशि का उपयोग दिनांक 31.03.2017 तक कर लिया जाना सुनिश्चित किया जाय तदोपरान्त अप्रयुक्त अवशेष धनराशि को समर्पित किया जाय।
02. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय व्ययक की अनुदान संख्या-06 के लेखाशीर्षक-2029-भू-राजस्व-001-निदेशन तथा प्रशासन-04-राजस्व आयुक्त अधिष्ठान की मानक मद-14-कार्यालय प्रयोगार्थ स्टाफ कारों/मोटर गाड़ियों का कय के नामे डाला जायेगा।
03. उक्त आदेश वित्त अनुभाग के अशासकीय पत्र संख्या-295NP/XXVII(5)/2016-17, दिनांक-24 मार्च, 2017 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय
(हरबंस सिंह चुघ)
प्रभारी सचिव

संख्या-31XXI(1)/XVIII(1)/2017-1(4)/2015, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी ओबराय मोटरर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा देहरादून।
2. महालेखाकार आडिट वैभव पैलेस, इन्द्रा नगर, देहरादून।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
4. सदस्य न्यायिक, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. वित्त अधिकारी/साईबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
6. वित्त अधिकारी, आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
8. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
9. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-5/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से
(जे0पी0 जोशी)
अपर सचिव।